नाम..अनुक्रमांक...............DR/25

अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2025–26

विषय – सामान्य हिन्दी (केवल प्रश्न पत्र)

समय : 3.15 घंटे | कक्षा – 12 | पूर्णांक : 100

नोट– प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न–पत्र पढ़ने के निर्धारित हैं।
निर्देश–(1)सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(2) यह प्रश्न पत्र दो खण्डों (क) एवं (ख) में विभाजित है। सभी प्रश्नों के उत्तर देना है।

खण्ड (क) 10

1. () उपन्यास विधा पर आधारित रचना है–

(1) स्कन्दगुप्त (3) अशोक के फूल
(2) गोदान (4) चिन्तामणि

() 'क्या भूलूँ याद करूँ' रचना किस विधा पर आधारित है–

(1) संस्मरण (3) डायरी
(2) यात्रावृत्त (4) आत्मकथा

() हिन्दी का प्रथम मौलिक उपन्यास है–

(1) परीक्षागुरु (3) गुनाहों के देवता
(2) गोदान (4) चित्रलेखा

() 'दीप जले, शंख बजे' विधा हैं–

(1) रेखाचित्र (3) यात्रा–वृत्तान्त
(2) ललित निबन्ध (4) संस्मरण

() चौरासी वैष्णव की वार्ता का संबंध है–

(1) सोमनाथ (3) विट्ठलनाथ
(2) चतुर्भुज दास (4) गोकुलनाथ

2. () हालावादका प्रवर्तक किसे कहा जाता है–

(1) रामधारी सिंह 'दिनकर' (3) गोपाल सिंह
(2) नरेन्द्र शर्मा (4) हरिवंशराय बच्चन

( ) छायावाद का सीमांकन माना जाता है–

(1) 1918–1936 ई. तक
(3) 1921–1940 ई. तक
(2) 1915–1930 ई. तक
(4) 1900–1936 ई. तक

( ) प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना कब हुई–

(1) 1936 ई.
(3) 1922 ई.
(2) 1940 ई.
(4) 1918 ई.

( ) पवन दूतिका नामक रचना में 'हरिऔध' जी द्वारा किस रस का आभास कराया गया है–

(1) वियोग
(3) वात्सल्य
(2) करुण
(4) शृंगार

( ) राष्ट्रकवि के उपाधि से प्रसिद्ध हैं–

(1) मैथिली शरण गुप्त
(3) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(2) जयशंकर प्रसाद
(4) सियाराम शरण गुप्त

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए– 10

भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनन्त काल से है। उसके भौतिक रूप, सौन्दर्य और समृद्धि के प्रति सचेत होना हमारा आवश्यक कर्तव्य है। भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जागरूक होंगे, उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी। यह पृथ्वी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचारधाराओं की जननी है। जो राष्ट्रीयता पृथ्वी के साथ जुड़ी है, वह निर्मूल होती है। राष्ट्रीयता की जड़ें पृथ्वी में जितनी गहरी होंगी, उतना ह पल्लवित होगा। इसलिए पृथ्वी के भौतिक स्वरूप की आद्योपान्त जानकारी प्राप्त करना, उसकी सुन्दरता, उपयोगिता

( ) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) भूमि के प्रति हमारा आवश्यक कर्तव्य क्या है?

(घ) किस प्रकार की राष्ट्रीयता को लेखक ने निर्मूल कहा है?

(ङ) हम पृथ्वी सच्चे अर्थों में क्या हैं?

अथवा

अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था। सुन्दरियों के नूपुर वाले चरणों के मृदु आघात से वह फूलता था और चंचल नील अलकों की अचंचल शोभा को सौ गुना बढ़ा देता था।

( ) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) संस्कृत के किस कवि ने अशोक को सम्मानित किया है?

(घ) अशोक फूल किसके आघात से फूलता था?

(ङ) 'आसिंजनकारी' तथा कर्णावतंस का अर्थ लिखिए।

4. दिएगये पद्यांश पर आधारित प्रश्नों का उत्तर लिखिए– 10

कोई प्यारा कुसुम कुम्हला गेह में जो पड़ा हो।
तो प्यारे के चरण पर ला डाल देना उसी को।
यों देना ऐ पवन जतला फूल–सी एक बाला।
म्लाना हो हो कमल–पग को चूमना चाहती है।

() उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) प्रस्तुत पद्यांश में राधा ने अपनी तुलना किससे की है?

(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(घ) श्रीकृष्ण के कमलवत चरणों को कौन चूमना चाहता है?

(ङ) राधा पवन–दूतिका से मुरझाए हुए पुष्प के माध्यम से क्या संदेश देना चाहती हैं?

अथवा

दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात
जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगत की ज्वालाओं का मूल,
ईश का वह रहस्य वरदान,
कभी मत इसको जाओ भूल।

() उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) सुख का नवल प्रभात कब विकसता है?

(घ) दुःख और सुख के बीच की दूरी को कवि ने किससे व्यक्त किया है?

(ङ) नवल प्रभात किसका प्रतीक है?

5. () निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए–

(1) वासुदेव शरण अग्रवाल (3) कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर
(2) हजारी प्रसाद द्विवेदी

() निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए–

(1) मैथिलीशरण गुप्त (2) जयशंकर प्रसाद (3) हरिऔध

6. 'ध्रुवयात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

'पंचलाइट' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. 'रश्मिरथी' खण्ड काव्य के तृतीय अंक की कथा संक्षेप में लिखिए।

अथवा

रश्मिरथी खण्ड काव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए।

खण्ड (ख)

8. (क) निम्नलिखित अवतरणों का संदर्भ सहित अनुवाद कीजिए–

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशी सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशी किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीय गुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा अन्ये च अनेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते।

अथवा

याज्ञवल्क्यो मैत्रेयी मुवाच– मैत्रेयि! उद्यास्यन् अहम् अस्मात् स्थानादस्मि। ततस्तेऽनया कात्यायन्या विच्छेदं करवाणि इति। मैत्रेयि उवाच– यदीयं सर्वा पृथिवी वित्तेन पूर्णा स्यात् तत् किं तेनाहममृता स्यामिति। याज्ञवल्क्य उवाच– नेति।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 7

(i) अये लाजानुच्चैः पथि वचनमाकर्ण्य गृहिणी
शिशोः कर्णौ यत्नात् सुहितवती दीनवदना।
मयि क्षीणोपाये यदकृत दृशावश्रुबहुले
तदन्तः शल्यं मे त्वमसि पुनरुद्धर्तुमुचितः।।

अथवा

(ii) अभूत् प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनकं
गतच्छायश्चन्द्रो बुधजन इव ग्राम्य सदसि।
क्षणं क्षीणास्तारा नृपतय इवानुद्यमपराः
न दीपा भ्राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणाः।

9. निम्नलिखित मुहावरों तथा लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए– 2

() अपने पैरों पर खड़ा होना। (ग) अधजल गगरी छलकत जाय।

(ख) नाकों चने चबाना। (घ) आँख के अंधे नाम नयनसुख।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों का सही अर्थ चयन करके लिखिए– 2

(1) वृत्त – वित्त

() (अ) चरित्र और धन (ब) गिरोह और घर (स) धन और दौलत (द) गाँव और घर

(2) गृह – ग्रह

() (अ) घर और नक्षत्र (ब) घर और गृहस्थी

() (स) गिरोह और घर (द) गाँव और घर

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए– 2

(1) कवि (2) द्विज (3) अलि

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए– 2

(1) जिसका अपहरण कर लिया गया हो। (3) लेखक द्वारा लिखित अपनी जीवनी।

(2) जो कहा न जा सके। (4) धूल भरी जोर की हवा।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए– 2

(1) चाँटा लगते ही उसका आँसू निकल पड़ा।

(2) गीता कितनी मधुर गाती है।

(3) मेरी केवल एकमात्र इच्छा है कि तुम सुखी रहो।

(4) पहली अप्रैल से नया सत्र शुरू हुआ।

11. () शृंगार रस अथवा करुण रस के स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

() 'रूपक' अथवा 'श्लेष' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 2

() 'चौपाई' अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। 2

12. किसी माध्यमिक विद्यालय में लिपिक के रिक्त पद पर नियुक्ति हेतु विद्यालय के प्रबन्धक को पत्र लिखिए। 4

अथवा

अपने क्षेत्र में प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति का वर्णन करते हुए किसी दैनिक समाचार–पत्र के सम्पादक को एक पत्र लिखिए।

13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए– 8
(क) मेरे प्रिय साहित्यकार (ख) विज्ञान : वरदान या अभिशाप (ग) आतंकवाद

14. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 8

'प्रथम पाठशाला' घर में, माँ पाठ पढ़ाया करती थी।
प्रथम गुरु होने का निज, कर्तव्य निभाया करती थी।
पढ़ी नहीं थी मेरी माँ, पर मुझे पढ़ाया करती थी।
'आ' से आम कबूतर 'क' से नित्य रटाया करती थी।
कलम हाथ में पकड़कर, अक्षर लिखवाया करती थी।
लाड़–प्यार से खेल–खेल में, बहुत सिखाया करती थी।
मेरे सुख को देख सदा ही, स्वयं सुखी हो जाती थी।
माँ मशीन की तरह, सुबह से शाम कर्ममय रहती थी।
धोती फटी–पुरानी उसकी, करुण कहानी कहती थी।
सबसे पहले जगती थी माँ, सबसे पीछे सोती थी।
कर्म लीन रहती प्रसन्न हो, दुःखी कहाँ कब होती थी।

( ) माँ को बच्चे का प्रथम गुरु क्यों कहा गया है?

(□) माँ के सोने और जागने का दैनिक नियम क्या है?

(ग) 'अनपढ़' शब्द का समास विग्रह कीजिए।